SHRI SHREEGOPAL VYAS: I would like to know whether there is any foreign hand behind this trouble.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Obviously, they get help from across the border, and many of the leaders are not here. They are across the border, in safe havens and sanctuaries, and they operate from there. In that sense, the Indian hand has become a foreign hand when it operates from outside. And, they have the support of other agencies and some other countries. So, obviously, they have the support of some foreign elements.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now we will take up the Appropriation (Railways) No.3 Bill, 2009.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, we will pass this Bill without discussion. But, the only thing is that in future, this Bill should come along with the Railway Budget. We do not understand how it was separated.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There was some delay this time because of some message which was to come.

GOVERNMENT BILL

The Appropriation (Railways) N0.3 Bill, 2009

THE MINISTER OF RAILWAYS (KUMARI MAMATA BANERJEE): Sir, I move:

"That the Bill to authorise payment and appropriation of certain sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2009-10 for the purposes of Railways, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

The question was put and the motion was adopted.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We shall now take up Clause-by-Clause consideration of the Bill.

Clauses 2, 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

KUMARI MAMATA BANERJEE: Sir, I move:

That the Bill be returned.

The question was put and the motion was adopted.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned to meet at 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at forty-five minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-five minutes past two of the clock, The Vice-Chairman (PROF. P. J. KURIEN) in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Shri Vijay Darda to move a Resolution urging upon the Government to take urgent steps to increase the power generation in the country.

PRIVATE MEMBER'S RESOLUTION

Need to increase power generation in the country

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं निम्नलिखित संकल्प उपस्थित करता हूं:-

"इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि-

i. विद्युत/ऊर्जा की दीर्घकालिक कमी भारत के भावी सामाजिक-आर्थिक पुनरुत्थान की गति को धीमा कर रही है और समाप्त होते जा रहे जल तथा लिग्नाइट/कोयला संसाधनों के कारण विद्युत उत्पादन से संबंधित समस्याएं आहिस्ता-आहिस्ता बढ़ती जा रही है;

ii. विद्युत-उत्पादन के सौर ऊर्जा-स्रोत और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत प्रारम्भिक अवस्था में हैं और वाणिज्यिक उपयोग के लिए इनका दोहन तथा राष्ट्रीय ग्रिड में इनका कोई मात्रात्मक योगदान नगण्य है;

iii. परमाणु रिएक्टरों से बहुत कम मात्रा में विद्युत प्राप्त होती है, हालांकि, गत वर्ष भारत-अमरीका परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने से तथा उसके बाद अनेक अन्य देशों के साथ इसी प्रकार के समझौते किए जाने से वर्तमान में स्थापित तथा भविष्य में स्थापित किए जाने वाले रिएक्टरों को चलाने के लिए हमें परमाणु ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति होने की स्थिति में विद्युत-उत्पादन में बढ़ोत्तरी की उम्मीद है।

iv. अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तुलना में विद्युत के पारेषण और संवितरण में होने वाली हानि बहुत अधिक है।

v. राज्य विद्युत बोर्डों की ओर भारी मात्रा में धन राशि बकाया है और उनके द्वारा राष्ट्रीय ग्रिड से, अपने नियत कोटे से अधिक मात्रा में बेरोकटोक विद्युत लिए जाने से विद्युत की निराशाजनक स्थिति और भी बदतर हो जाती है।

vi. विद्युत-उत्पादन पूंजी प्रधान क्षेत्र है और इसकी उत्पादन-पूर्व-तैयारी अवधि काफी लम्बी होती है; और

vii. छोटे और सीमांत किसानों को अपने पम्प सेटों को चलाने के लिए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे तथा कुटीर/खादी उद्योगों की इकाइयों को आसानी से विद्युत उपलब्ध कराना एवं यंत्रचालित कृषि के माध्यम से अधिकाधिक कृषि उत्पादन की प्राप्ति हेतु योगदान प्रदान किया जाना अभी भी शेष है;

यह सभा सरकार से शीघ्रातिशीघ्र निम्नलिखित कदम उठाने का आग्रह करती है-

(क) सर्वसमावेशी विकास के लिए व्यापक ग्रामीण विद्युतीकरण करे;

(ख) जल विद्युत, ताप विद्युत तथा कोयला-आधारित, तेल-आधारित, गैस-आधारित, सौर ऊर्जा स्रोत, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों और परमाणु ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विद्युत उत्पादन बढ़ाए और "थोरियम" जो कि देश के अनेक हिस्सों जैसे केरल में उपलब्ध है, के विद्युत-उत्पादन में उपयोग के संबंध में अध्ययन कराए;

(ग) स्वीकृत वैश्विक मानकों के अनुसार विद्युत संयंत्रों को बन्द रखे जाने की अवधि को कम करे;